ज्वैलरी शॉप में हुई 70 लाख की चोरी का खुलासा, दिल्ली से आरोपियों को पकड़ा

आरोपियों ने फर्जी नम्बर प्लेट का उपयोग कर लग्जरी कार से वारदात की थी

कोटा, (निसं)। ग्रामीण इलाके के सुल्तानपुरा थाना कस्बे में एक ज्वैलर की दुकान का शटर तोड़कर करीब 70 लाख के गहनों से भरी अलमारी को चोरी करने के दर्ज मामले का खुलासा करते हुए सुल्तानपुर पुलिस टीम ने नकबजनी के दो आरोपियों को दिल्ली से डिटेन कर प्रकरण में गिरफ्तार किया है।

ग्रामीण पुलिस टीम मामले में कार्रवाई करते हुए उत्तरप्रदेश व दिल्ली की कुख्यात सलीम नकबजन गैंग के दो बदमाशों को पकड़ा हैं, मामले में मुख्य आरोपी की तलाश जारी है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 18 अक्टूबर को फरियादी परमानन्द ने सुल्तानपुर थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि उसकी दुकान देव ज्वैलर्स के नाम पर भौंरा चोराहा के पास स्थित है। 17 अक्टूबर को दुकान बंद करके गया था। 18 अक्टूबर को तड़के अज्ञात 4-5 व्यक्ति दुकान के शटर का ताला तोड़कर दुकान के अंदर अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात अलमारी सहित उठाकर ले गये। जिसमे करीब 60 से 70 लाख रुपये के जेवरात व 3-4 लाख नकदी रखी हुई थी। ग्रामीण एसपी ने बताया कि सुल्तानपुर थानाधिकारी दौलत साहू के नेतृत्व में सायबर सेल के सहायक उप निरीक्षक भूपेन्द्र हाड़ा को शामिल कर विशेष टीमों का गठन किया गया।

ग्रामीण एसपी ने बताया कि गठित टीमों ने घटनास्थल एवं आसपास के सीसीटीवी की फुटेज खंगाले, तकनीकी अनुसंधान किया गया। टीम ने सीसीसीटी फुटेज का विश्लेषण करने पर



सुल्तानपुर पुलिस टीम ने ज्वैलरी शॉप में हुई चोरी के दो बदमाशों को दबोचा।

- ज्वैलर की दुकान का शटर तोड़कर करीब 70 लाख के गहनों से भरी अलमारी को चोरी कर ले गये थे

वारदात में संदिग्ध कार का फुटेज के आधार पर पीछा किया तो कार जालिमपुरा 8 लेन टॉल से मुम्बई की और जाना जानकारी में आया। ग्रामीण एसपी ने टीम को आरोपियों की तलाश के लिये गोपालपुरा, चेचट, गरोठ, रतलाम, थांदला म.प्र., बेरच गुजरात की और रवाना किया, परन्तु उक्त नम्बर की कार कहीं से नहीं गुजरी, इस पर संदेह होने पर पुन: कार का मूवमेन्ट चेक किया गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि गठित टीम ने दिल्ली एवं मुम्बई की और से आने वाले प्रत्येक वाहनों की सूची प्राप्त कर फुटेज देखे जाकर विश्लेषण किया गया। अनुसंधान के बाद टीम के सदस्य कांस्टेबल गौतम पंकज एवं मुकेश कांस्टेबल को सूचना मिली कि एक कार दिल्ली के हिलालपुर टोल से एक्जिट हुई है। सूचना पर संदिग्ध वाहन के बारे में अनुसंधान किया गया तो वाहन दिल्ली निवासी सलीम के नाम रजिस्टर्ड होने पाया गया। वाहन चालक द्वारा टोल पर ऑनलाईन भुगतान सम्बन्धी अनुसंधान किया गया तो इसमें इमरान नाम का व्यक्ति की शामिल होना पाया गया।

आरोपियों की गिरफ्तारी-ग्रामीण एसपी ने बताया कि मामले में अनुसंधान के बाद पुलिस की एक टीम को आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये दिल्ली रवाना किया गया। टीम के सदस्यों ने पुरानी दिल्ली स्थित आरोपियों की झुग्गियों में दबिशें दी तो अधिकांश आरोपियों का अस्थाई रुप से निवास करना पाया गया। टीम ने आरोपियों के बारे में स्थानीय मुखबीरो की सूचना पर कार्यवाही करते हुए खजुरी खास करावल नगर उत्तर पूर्व दिल्ली थाना भजनपुरा निवासी आदिल (24) एवं श्रीराम कोलोनी राजीव नगर खजूरी दयालपुर उत्तर पूर्व दिल्ली निवासी आफ्ताब उर्फ बूग्गू (19) को डिटेन कर अनुसंधान के बाद प्रकरण में गिरफ्तार किया।

मामले में आया सामने-ग्रामीण एसपी ने बताया कि मामले में पकड़े गये आरोपियों से पूछताछ व प्रारंभिक अनुसंधान में सलीम जो मूल रुप से बरेली उत्तरप्रदेश का रहने वाला है एवं इमरान जो सोनिया विहार दिल्ली का रहने वाला है के साथ वारदात करता स्वीकार किया है। आरोपी सलीम एवं इमरान के विरुद्ध दिल्ली एवं उत्तरप्रदेश के कई थानों में हत्या, लूट, डकैती, नकबजनी एवं चोरी के दर्जनों मामले दर्ज है। आरोपी सलीम एवं इमरान आपराधिक एवं शातिर प्रवृति के है जो पुलिस की भनक लगते ही फरार हो गये जिनकी विशेष टीमों द्वारा सरगर्मी से तलाश जारी है।

पाटन में रोडवेज बसों का अभाव, यात्रियों की परेशानी बढ़ी

पाटन, (निसं)। कस्बे में रोडवेज बसों की पर्याप्त सुविधा नहीं होने से यात्रियों को आए दिन परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। समय पर सरकारी बसें उपलब्ध नहीं होने के कारण यात्रियों को मजबूरन निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ता है। कई बार यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए महंगे किराये पर निजी गाड़ी बुक करवानी पड़ती है।

यात्रियों के अनुसार नीमकाथाना से पाटन आने-जाने वाले लोगों को रात 8 बजे बाद सरकारी बसों के लिए एक से डेढ़ घंटे तक इंतजार करना पड़ता है। वहीं सुबह 6 बजे से पहले कोई रोडवेज बस उपलब्ध नहीं होने के कारण नौकरीपेशा लोगों, विद्यार्थियों और अन्य यात्रियों को नीमकाथाना एवं कोटपूतली जाने के लिए निजी वाहनों पर निर्भर रहना पड़ता है।

पाटन के जागरूक नागरिकों ने इस समस्या को लेकर पूर्व में सीकर, जयपुर और कोटपूतली रोडवेज डिपो के प्रबंधकों को भी अवगत करवाया था, लेकिन इसके बावजूद बसों का संचालन यात्रियों की आवश्यकता के अनुरूप नहीं हो पाया है। लोगों का कहना है कि मुख्यमंत्री और स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित प्रशासनिक अधिकारियों को भी कई बार समस्या से अवगत करवाया जा चुका है, लेकिन अभी तक कोई ठोस समाधान नहीं हुआ। दो नवंबर को मतदान दलों को सुबह करीब 5 बजे फतेहपुर, सीकर, लक्ष्मणगढ़ सहित अन्य स्थानों पर पहुंचना है। ऐसे में संबंधित कर्मचारियों का कहना है कि सुबह के समय रोडवेज बसों की सुविधा नहीं मिलने के कारण उन्हें निजी वाहन बुक करवाकर अपने गंतव्य तक जाना पड़ेगा।

- यात्रियों के अनुसार नीमकाथाना से पाटन आने-जाने वाले लोगों को रात 8 बजे बाद सरकारी बसों के लिए एक से डेढ़ घंटे तक इंतजार करना पड़ता है
- वहीं सुबह 6 बजे से पहले कोई रोडवेज बस उपलब्ध नहीं होने से नौकरीपेशा लोग, विद्यार्थी और अन्य यात्री नीमकाथाना एवं कोटपूतली जाने के लिए निजी वाहनों पर निर्भर
- समय पर सरकारी बसें उपलब्ध नहीं होने के कारण यात्रियों को मजबूरन निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ता है

ग्रामीणों एवं यात्रियों ने बताया कि रोडवेज बसों की कमी के कारण आमजन को प्रतिदिन आर्थिक और मानसिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। लोगों ने शासन-प्रशासन और रोडवेज विभाग से मांग की है कि सुबह 5 बजे से पहले तथा रात 8 बजे बाद नीमकाथाना और कोटपूतली के लिए नियमित बसों का संचालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि यात्रियों को राहत मिल सके।

आठ माह की बेटी की हत्या के आरोप में पिता गिरफ्तार

करौली, (निसं)। हिण्डौनसिटी में 8 माह की मासूम बच्ची की हत्या के मामले में पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। बच्ची की हत्या का आरोप उसके पिता रामदेव जाटव पर लगा है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने पारिवारिक विवाद के बाद अपनी ही बच्ची को पत्थर पर पटककर मार डाला और खुद को बचाने के लिए अपने सगे भाई के तीन बेटों और उनकी दो पत्नियों के खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज करा दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, घटना 28 अक्टूबर की सुबह खेड़े का पुरा गांव में हुई थी। रामदेव अपनी 8 माह की बच्ची को अस्पताल लेकर पहुंचा था, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

- आरोपी ने पारिवारिक विवाद के बाद अपनी ही बच्ची को पत्थर पर पटककर मार दिया था
- आरोपी ने अपने ही भाइयों के बेटों और बहुओं पर हत्या का आरोप लगाया था

इसके बाद उसने पुलिस को शिकायत देकर अपने बड़े भाई के बेटों और उनकी पत्नियों पर मारपीट के दौरान बच्ची की हत्या करने का आरोप लगाया था। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि घटना से एक रात पहले रामदेव और उसकी पत्नी रेशमा के बीच विवाद हुआ था। अगले दिन सुबह भी दोनों के बीच कहासुनी हो रही थी। इस दौरान रामदेव के भतीजे रामवीर ने उन्हें झगड़ा करने से रोका था। इसी बात पर रामदेव और रामवीर के बीच विवाद हो गया। पुलिस ने आसपास के लोगों और चश्मदीद गवाहों के बयान के आधार पर शिकायतकर्ता रामदेव की भूमिका संदिग्ध पाई। जांच में बच्ची की हत्या और झूठी शिकायत देने के आरोप प्रमाणित होने पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। मामले में आगे की जांच जारी है। पुलिस अधीक्षक लोकश सोनवाल के निर्देश पर नई मंडी थाना पुलिस की टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। मामले के खुलासे में हेड कांस्टेबल राजेश कुमार की विशेष भूमिका रही।

मकराना में बंद पड़ी 203 मार्बल खदानों को चालू करवाने की मांग

मकराना, (निसं)। नगर परिषद मकराना के पार्षदों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं और विकास कार्यों को लेकर नागौर सांसद को पत्र भेजकर समाधान की मांग की है। वार्ड संख्या 12 के पार्षद अब्दुल रहीम सिसोदिया ने पत्र लिखकर सांसद से संसद में मकराना की बंद पड़ी 203 मार्बल खदानों का मुद्दा उठाने की मांग की। उन्होंने अवगत कराया कि मकराना अरावली पॉलीगॉन क्षेत्र में शामिल नहीं होने के बावजूद यहां की 203 मार्बल खदानें बंद हैं, जिससे हजारों मजदूरों, कारीगरों, ट्रक-ट्रैक्टर चालकों और व्यापारियों के सामने रोजी-रोटी का गहरा संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने भौगोलिक स्थिति की आधिकारिक जांच करवाने, संसद में आवाज उठाने तथा प्रभावित परिवारों को राहत देकर खदानों को नियमानुसार पुन: शुरू करवाने की पुरजोर मांग की है।

- मार्बल खदानें बंद होने से हजारों मजदूरों, कारीगरों, ट्रक-ट्रैक्टर चालकों और व्यापारियों के सामने रोजी-रोटी का गहरा संकट खड़ा हो गया है

पार्षद अब्दुल रहीम सिसोदिया व नगर परिषद के अन्य पार्षदों ने संयुक्त रूप से राजकीय उप जिला चिकित्सालय, मकराना में आवश्यक सुविधाओं के विस्तार हेतु पत्र प्रेषित किया। उन्होंने बताया कि अस्पताल में हृदय रोग विशेषज्ञ व दंत चिकित्सक की कमी के चलते मरीजों को बड़े शहरों में जाना पड़ता है। उन्होंने अस्पताल में इन दोनों विशेषज्ञों की नियुक्ति, संबंधित आधुनिक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध करवाने तथा अस्पताल में दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाने हेतु शिविर आयोजित कराने की मांग रखी।

वार्ड संख्या 23 के पार्षद मोहम्मद इब्राहिम ने सांसद कोष से वार्ड स्थित श्मशान भूमि (कब्रिस्तान/अंत्येष्टि स्थल) के विकास हेतु 10 लाख रुपये की राशि स्वीकृत करने का आग्रह किया है। उन्होंने बताया कि स्थल पर चारदीवारी, मुख्य गेट, टिन शेड, पेयजल व्यवस्था और आंतरिक रास्तों का अभाव होने से नागरिकों को अंतिम संस्कार के दौरान भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस मौके पर एडवोकेट अब्दुल करीम सिसोदिया, हुसैन राठौड़, मोहम्मद आरिफ सिसोदिया, मोहम्मद आखिल, मोहम्मद इरशाद सिसोदिया सहित अन्य मौजूद रहे।

रीठौली को ग्राम पंचायत बनाने की मांग 30 वर्ष से जारी

करौली, (निसं)। करौली जिले में पिछले ढाई दशक से रीठौली के ग्रामीण ग्राम पंचायत बनाने की मांग को लेकर 2020 से लगातार पंचायती राज संस्थाओं के सरपंच, वार्ड पंच के मतदान का बहिष्कार करते चले आ रहे हैं लेकिन प्रशासन और सरकार ने आज तक गंभीरता से नहीं लिया। जिस कारण से ग्रामीण अपने मत का मतदान करने से वंचित रहते चले जा रहे हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि रीठौली को ग्राम पंचायत बनाने की मांग को लेकर 30 वर्ष से लगातार पंचायती राज संस्था के मतदान का बहिष्कार करते चले आ रहे हैं। हालांकि भाजपा सरकार के ग्राम पंचायतों के पुनर्गठन के दौरान उपखंड प्रशासन एवं जिला कलेक्टर ने रीठौली को नवसृजित ग्राम पंचायत के प्रस्ताव मुख्यमंत्री व पंचायती राज विभाग को भिजवाये। मापदंड में रीठौली को नवसृजित ग्राम पंचायत का पैनल में नाम आ गया। लेकिन राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण पैनल से रीठौली को निरस्त करने से ग्रामीणों मे रोष व्याप्त हैं।

30 बर्षो से रीठौली को नवसृजित ग्राम पंचायत बनाने के लिये मतदान का बहिष्कार करते चले आ रहे हैं। एसआईआर मे जोडे नये मतदाता वर्तमान में रीठौली मे 1450 मतदाता हैं। प्रजातांत्रिक व्यवस्था में राज्य का एक मात्र रीठौली गांव ऐसा हैं जो 30 साल से चली आ रही महत्वपूर्ण मांग पूरी नहीं हो पायी। ग्रामीण एकजुट होकर नवसृजित ग्राम पंचायत की मांग को लेकर मतदान का बहिष्कार कर आंदोलन कर रहे है। राज्य सरकार की मनमानी एवं अनदेखी के प्रति ठाामीणों में गहरा रोष हैं। ग्राम पंचायत की 30 साल से लम्बित मांग को लेकर सभी ग्रामीणों ने राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रर्दशन कर पंचायती राज संस्था जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य के मतदान का बहिष्कार किया हैं।

अनुपस्थित मिले प्रधानाचार्य को नोटिस जारी

करौली, (निसं)। उपजिला निर्वाचन अधिकारी अतिरिक्त जिला कलेक्टर जगदीश प्रसाद गौड़ ने ग्राम पंचायत कुड़गांव महमदपुर मंडावरा एवं चैनपुर के मतदान केंद्रों और राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुड़गांव एवं मंडावरा का निरीक्षण किया, जहां निरीक्षण के दौरान कुड़गांव विद्यालय में 3 बजे छात्र-छात्राओं का अवकाश करना पाया गया एवं मंडावरा विद्यालय की प्रधानाचार्य अनुपस्थित पाई गई जिनको नोटिस जारी किए।

- अतिरिक्त जिला कलेक्टर जगदीश प्रसाद गौड़ ने कई मतदान केंद्रों और विद्यालयों का निरीक्षण किया

उपजिला निर्वाचन अधिकारी अतिरिक्त जिला कलेक्टर जगदीश प्रसाद गौड़ ने बताया कि निरीक्षण के दौरान भाग संख्या 79 पर 32, 80 पर 24, 81 पर 27, 82 पर 30, 77 पर 23, 78 पर 22 22 फॉर्म आना पाया गया, उन्होंने बीएलओ को घर-घर जाकर अधिक से अधिक पात्र मतदाताओं के फॉर्म प्राप्त करने के लिए निर्देशित किया।

खेतड़ी के पपुरना गांव में दौड़ रहे ओवरलोड डंपरों से ग्रामीण परेशान

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी उपखंड के पपुरना गांव में ओवरलोड डंपरों का आतंक ग्रामीणों की जान पर भारी पड़ता नजर आ रहा है। आबादी क्षेत्र की सड़कों पर दिन-रात बेखौफ दौड़ रहे भारी डंपर अब ग्रामीणों के लिए परेशानी ही नहीं, बल्कि गंभीर हादसों का खतरा बन चुके हैं। खनन क्षेत्र से ओवरलोड होकर आने वाले इन डंपरों से सड़क पर पत्थर गिर रहे हैं। हालात यह हैं कि सड़क किनारे बने मकानों की दीवारें तक इन पत्थरों की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो रही हैं।

जानकारी के अनुसार रविवार को एक बार फिर प्रशासनिक व्यवस्था और ओवरलोड वाहनों की निगरानी पर सवाल खड़े हो गए। खनन क्षेत्र से पपुरना की ओर आ रहे एक ओवरलोड डंपर से रास्ते में पत्थर सड़क पर गिरने लगे। ग्रामीणों ने डंपर चालक को रूकवाकर पत्थर गिरने की जानकारी दी, लेकिन चालक कथित तौर पर उनकी बात को अनसुना कर डंपर लेकर आगे निकल गया। ग्रामीणों के अनुसार, यह कोई पहली घटना नहीं है। महज दो दिन पहले आबादी क्षेत्र से गुजर रहे एक डंपर से पत्थर गिरने के कारण सड़क किनारे बने मकान की दीवार क्षतिग्रस्त हो गई थी। एडवोकेट निरंजन लाल सैनी ने बताया कि पपुरना गांव के आबादी क्षेत्र से बड़ी संख्या में ओवरलोड भारी वाहन गुजरते हैं। इन वाहनों से आए दिन पत्थर गिरने की घटनाएं होती रहती हैं। इससे ग्रामीणों, राहगीरों और मकानों की सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है। कई बार पत्थर मकानों की दीवारों तक जा गिरते हैं। इसके बावजूद संबंधित विभागों की ओर से ओवरलोडिंग के खिलाफ कोई ठोस कानूनी कार्रवाई नहीं की जा रही। उन्होंने मांग की कि भारी वाहनों के लिए पहले से निर्धारित वैकल्पिक रूट को फिर से प्रभावी किया जाए, ताकि आबादी क्षेत्र को इस खतरे से बचाया जा सके। साथ ही सड़क पर आवश्यक स्थानों पर स्पीड ब्रेकर बनवाए जाएं, जिससे वाहनों की गति नियंत्रित हो सके।

ग्रामीणों का कहना है कि आबादी क्षेत्र से ओवरलोड डंपरों का संचालन बंद करवाने के लिए वे लंबे समय से प्रशासन को अवगत करवा रहे हैं। इसके बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। हर दिन भारी वाहनों की आवाजाही के बीच ग्रामीणों को किसी अनहोनी की आशंका सताती रहती है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि प्रशासन शायद किसी बड़े हादसे के बाद ही जागेगा। उनका कहना है कि यदि समय रहते ओवरलोड वाहनों पर रोक नहीं लगाई गई तो किसी दिन बड़ी जनहानि हो सकती है। ग्रामीणों ने दो टूक चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही आबादी क्षेत्र से ओवरलोड डंपरों का संचालन बंद नहीं करवाया गया तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। घटना की सूचना पर खेतड़ी पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को जल्द कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

अनियंत्रित ट्रोला फायर बिग्रेड से टकराया, आग लगने से दो जनों की मौत

उदयपुर, (निसं)। जिले के ऋषभदेव थाना क्षेत्र में सरियों से भरा ट्रोला अनियंत्रित होकर दूसरी लेन में जा घुसा। हादसे में फायर ब्रिगेड के केबिन में आग लगने से दो व्यक्ति की मौत हो गई तथा दो व्यक्ति घायल हो गए। हादसे से हाईवे जाम हो गया। जिसे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बचाव एवं राहत कार्य कर खुलवाया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार सवेरे जिले के ऋषभदेव थाना क्षेत्र अहमदाबाद उदयपुर हाईवे ऋषभदवे मयूर मील के समीप अनियंत्रित ट्रोला गलत दिशा में जा घुसा जो फायर ब्रिगेड से जा टकराया। हादसे में फायर बिग्रेड केबिन में आग लग गई। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस उप अधीक्षक अर्जुनसिंह राठौड़, ऋषभदेव थानाधिकारी हेमंत अहारी, खेरवाड़ा थानाधिकारी मनमंत आढा, कल्याणपुर थानाधिकारी सोहनलाल मय जाप्ता मौके पर पहुंचे। जहां ग्रामीणों की मदद से मयूर मील से अग्निशमन यत्रं एवं पानी की मदद से आग पर काबू किया इस दौरान एकतरफा यातायात डायर्वजन किया गया। आग पर काबू करने के बाद फायर ब्रिगेड में फंसे हबीब अली (46) पुत्र कश्मीर अली निवासी तेजा अंबालाल हरियाणा, सुनिल कुमार पुत्र रामईश्वर निवासी रविदास मंदिर के पास लोहसिंबली पटियाला पंजाब को बाहर निकाल ऋषभदेव चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया तथा घायल संजीत अली पुत्र जुल्फीकार निवासी कुरूक्षेत्र को बाहर निकाल ऋषभदेव चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार के बाद एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी है। जिनके आने पर सोमवार को पोस्टमार्टम होगा। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि फायर ब्रिगेड की गाड़ी पुणे से अम्बालाल जा रही थी एवं ट्रोला लोहे के सरिये लेकर उदयपुर से अहमदाबाद की तरफ जा रहा था। जहां बीच रास्ते मयूर मील के समीप अनियंत्रित होकर ट्रोला अहमदाबाद से उदयपुर रोड़ की तरफ चला गया। इसी दौरान फायर ब्रिगेड गाड़ी की ट्रोले से भिड़ंत हो गई जिससे केबिन में आग लग गई थी। हादसे के बाद ट्रोला चालक व फायर बिग्रेड में सवार संजीत अली को उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया है।

- फायर ब्रिगेड की गाड़ी पुणे से अम्बालाल जा रही थी एवं ट्रोला लोहे के सरिये लेकर उदयपुर से अहमदाबाद की तरफ जा रहा था

जेएनवीयू में पेंशनर्स का प्रदर्शन जारी

जयपुर। पेंशनर्स सोसाइटी के तत्वावधान में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के पेंशनर्स ने 31 वें दिन आज विश्वविद्यालय प्रशासन एवं राज्य सरकार को सद्बुद्धि हेतु सद्बुद्धि यज्ञ का आयोजन किया।

वहाँ उपस्थित लगभग 160 से अधिक पेंशनर्स ने यज्ञ में आहुतियां देते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि विश्वविद्यालय प्रशासन एवं राज्य सरकार को ऐसी सद्बुद्धि दे कि वो हमारी बकाया पेंशन के भुगतान की व्यवस्था करे और पेंशन समस्या का स्थायी समाधान करे। यज्ञ से पूर्व हमेशा की तरह संयोजक अशोक व्यास द्वारा आरती की गई। तत्पश्चात यज्ञ प्रारंभ किया गया। यज्ञ के दौरान ही जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रोफेसर वीरेंद्र सिंह जैतावत तथा कोटा कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जब्बर सिंह सोलंकी प्रदर्शन स्थल पर पधारे। सर्व प्रथम अध्यक्ष प्रोफेसर राम निवास शर्मा ने उनका स्वागत करते पेंशन समस्या के समाधान के प्रति उनकी रुचि एवं जिज्ञासा के प्रति आभार जताया।

उत्तर-पश्चिम रेलवे का माल ढुलाई एवं परिचालन में प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा

अक्टूबर माह में माल ढुलाई से उत्तर पश्चिम रेलवे को 342.9 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे ने माह अक्टूबर 2026 में माल परिवहन एवं परिचालन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन कर माल ढुलाई, मालभाड़ा आय, जोनल इंटरचेंज, लोको उपयोगिता एवं वैगन परिचालन सहित विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की गई हैं।

उत्तर-पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित के अनुसार माल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। राजस्थान के लाइम स्टोन सहित विभिन्न कमोडिटीज को रेल द्वारा देश के अलग-अलग हिस्सों में पहुंचाया जा रहा है। इससे स्थानीय उद्योगों को बेहतर परिवहन सुविधा मिलने के साथ-साथ व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिल रही है। अक्टूबर 2026 में उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा कुल 2.806 मिलियन टन माल ढुलाई किया गया, जो कि निर्धारित लक्ष्य से 2.6 प्रतिशत तथा गत वर्ष के इसी माह की तुलना में 14.9 प्रतिशत अधिक है।

यह अक्टूबर माह में अब तक का सर्वाधिक माल ढुलाई है। इससे पूर्व अक्टूबर 2021 में 2.66 मिलियन टन माल ढुलाई का रिकॉर्ड था। इसके अतिरिक्त, वित्तीय वर्ष 2026-27 में अक्टूबर माह तक कुल माल ढुलाई 19.09 मिलियन टन रहा, जो अब तक का सर्वाधिक माल ढुलाई है। इसने वर्ष 2022-23 में अक्टूबर तक दर्ज 18.7 मिलियन टन के पिछले रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया है।

अक्टूबर माह में माल ढुलाई से उत्तर पश्चिम रेलवे को 342.9 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई, जो गत वर्ष के इसी माह की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक है। यह उपलब्धि माल परिवहन सेवाओं के प्रभावी प्रबंधन एवं बेहतर परिचालन समन्वय को दर्शाती है।

अक्टूबर माह में जोनल इंटरचेंज का औसत 319 ट्रेन प्रतिदिन रहा, जो निर्धारित लक्ष्य से 18.1 प्रतिशत तथा गत वर्ष की तुलना में 13.9 प्रतिशत अधिक है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक का सर्वाधिक दैनिक इंटरचेंज 8 अक्टूबर 2026 को 354 ट्रेन दर्ज किया गया, जिसमें 173 ट्रेन टेकिंग ओवर तथा 181 ट्रेन हैंडिंग ओवर शामिल हैं। इसी दिन वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर भी अब तक का सर्वाधिक 154 ट्रेन का दैनिक इंटरचेंज दर्ज किया गया, जिसमें 75 ट्रेन टेकिंग ओवर तथा 79 ट्रेन हैंडिंग ओवर शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, अक्टूबर माह में किशनगढ़ बालावास इंटरचेंज के अंतर्गत 1,486 ट्रेन का मासिक रिकॉर्ड दर्ज किया गया, जिसमें 744 ट्रेन टेकिंग ओवर तथा 742 ट्रेन हैंडिंग ओवर शामिल हैं। इसने सितंबर 2026 में दर्ज 1,376 ट्रेन के पिछले रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया।

उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा प्राप्त उपलब्धियां माल परिवहन क्षमता में वृद्धि, संसाधनों के बेहतर उपयोग, वैगनों एवं लोको की उत्पादकता में सुधार तथा विभिन्न विभागों के बीच प्रभावी समन्वय का परिणाम हैं।

कमला देवी कांकरिया हत्याकांड के मुख्य आरोपी की मौका तस्दीक करवाई

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा शहर के बहुचर्चित 72 वर्षीय कमला देवी कांकरिया हत्याकांड में पुलिस की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, इस खौफनाक वारदात की परतें एक-एक कर बाहर आ रही हैं। बुजुर्ग महिला की हत्या के बाद साक्ष्य छिपाने के लिए छत की रिपेयरिंग, शव जलाने के लिए लकड़ियों की खरीद और फिर उसी छत पर 40 दोस्तों के साथ पार्टी करने के मामले ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है। शनिवार को भीमगंज पुलिस ने मुख्य आरोपित रवि तापड़िया (43) को साथ ले जाकर उन तमाम दुकानों और स्थानों की मौका तस्दीक करवाई, जहां से उसने वारदात के बाद साक्ष्य मिटाने के लिए सामान खरीदा था।

भीमगंज थाना प्रभारी सुनील चौधरी के अनुसार, पुलिस ने शनिवार को मुख्य आरोपित रवि को मीट की दुकान, सीमेंट की शॉप और आरामशीन पर ले जाकर मौका तस्दीक की। आरोपित ने खटीक मोहल्ले से 10 किलो मीट खरीदा था। गायत्री आश्रम क्षेत्र स्थित आरामशीन से शव जलाने के लिए लकड़ियां तथा सुभाषनगर की एक दुकान से छत की रिपेयरिंग के लिए सीमेंट खरीदी गई थी। पुलिस अब आरोपितों से पूछताछ के आधार पर मृतका कमला देवी के गहनों की बरामदगी के प्रयास कर रही है। वहीं, इस मामले में फरार चल रहे एक अन्य आरोपित कालू तापड़िया की तलाश भी लगातार जारी है। पुलिस पड़ताल में सामने आया कि 12 अक्टूबर की रात करीब 8 बजे रवि तापड़िया कमला देवी कांकरिया को आरके कॉलोनी स्थित मकान पर लेकर गया था। वहां उसने कमला देवी से मकान और दुकान अपने नाम करने के लिए कहा। जब कमला देवी ने ऐसा करने से साफ इनकार करते हुए बताया कि वह अपनी संपत्ति पहले ही अपने पोते के नाम कर चुकी हैं, तो दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। आरोप है कि इसी दौरान रवि ने तकिए से कमला देवी का मुंह दबाकर उनकी हत्या कर दी। वारदात के वक्त हीरा सिंधी भी वहां मौजूद था। हत्या के बाद आरोपित ने बुजुर्ग महिला के गहने उतारे और शव को मकान की छत पर ले जाकर जला दिया।

- आरोपियों ने कमला देवी का छत पर शव जलाकर उसी मकान में 40 दोस्तों के साथ मीट पार्टी की थी

इस हत्याकांड का सबसे चौंकाने वाला पहलू शव जलाने के बाद की गई मीट पार्टी है। पुलिस के मुताबिक, शव ठिकाने लगाने के बाद रवि तापड़िया ने उसी मकान की छत पर करीब 40 दोस्तों के साथ पार्टी की थी। पार्टी में परोसे गए खाने को लेकर शहर में कई तरह की चर्चाएं और अफवाहें फैल रही थीं। भीमगंज पुलिस ने स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि पार्टी में कुछ लोगों ने बकरे का मीट खाया था, जबकि कुछ ने दाल-बाटी खाई थी।

इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपित रवि तापड़िया, हीरा सिंधी और आर्यन उर्फ चूचा को गिरफ्तार किया है। 19 वर्षीय आरोपित आर्यन उर्फ चूचा की पुलिस रिमांड समाप्त होने पर उसे न्यायिक अभिरक्षा (जेल) भेज दिया गया है। मुख्य आरोपित रवि तापड़िया और हीरा सिंधी 3 नवंबर तक पुलिस रिमांड पर हैं, जिनसे पूछताछ कर हत्या से जुड़े अन्य साक्ष्य और गहने बरामद करने के प्रयास किए जा रहे हैं।